Title: Need to review the policy regarding import of edible oils.

डा. लक्ष्मीनारायण पाण्डेय (मंदसौर) : सभापति महोदय, पिछले कुछ वर्षों से खाद्य तेलों के आयात शुल्क में निरंतर कमी किए जाने से भारतीय किसानों के सामने अत्यधिक गंभीर संकट खड़ा हो गया है। भारत में वैसे भी इस वर्ष खाद्य तेलों बीजों की अच्छी फसल हुई है। किन्तु आयात शुल्क में कमी किए जाने के कारण भारतीय किसानों को अपनी फसल का उत्पादन मूल्य भी नहीं मिल पा रहा है। खाद्य तेल बनाने वाली कम्पनियों को भी भारी हानि हो रही है क्योंकि बाहर से खाद्य तेल आयात होने के कारण भारी घाटा उठाना पड़ रहा है तथा विदेशी मुद्रा खर्च हो रही है। ऐसी दशा में कई सोयाबीन एक्सट्रेशन प्लांट तथा तेल बनाने वाली कम्पनियां भारी घाटे में होकर बंद होने के कगार पर हैं।

अतः मेरा अनुरोध है कि खाद्य तेल आयात के बारे में सरकार को अपनी नीति पर पुनर्विचार करना चाहिए ताकि भारतीय किसान जो उसका उत्पादन करते हैं उनका संरक्षण हो सके तथा खाद्य तेल उद्योगों में लगे औद्योगिक संस्थान बंद होने से बचाये जा सकें।